Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) ______________________

   (Name) ______________________

2. (Signature) ______________________

   (Name) ______________________

OMR Sheet No. : ....
(To be filled by the Candidate)

Roll No. | | | | | | | | |
(In figures as per admission card)

Roll No. ______________________
(In words)

D 2 0 1 5

PAPER - II
HINDI

Time : 1¼ hours] **[Maximum Marks : 100**

Number of Pages in this Booklet : **16** Number of Questions in this Booklet : **50**

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. This paper consists of fifty multiple-choice type of questions.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
   (i) To have access to the Question Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
   (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the Question Booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
   (iii) After this verification is over, the Test Booklet Number should be entered on the OMR Sheet and the OMR Sheet Number should be entered on this Test Booklet.
4. Each item has four alternative responses marked (1), (2), (3) and (4). You have to darken the circle as indicated below on the correct response against each item.
   Example : ① ② ● ④ where (3) is the correct response.
5. Your responses to the items are to be indicated in the **OMR Sheet given inside the Booklet only.** If you mark your response at any place other than in the circle in the OMR Sheet, it will not be evaluated.
6. Read instructions given inside carefully.
7. Rough Work is to be done in the end of this booklet.
8. If you write your Name, Roll Number, Phone Number or put any mark on any part of the OMR Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, or use abusive language or employ any other unfair means, such as change of response by scratching or using white fluid, you will render yourself liable to disqualification.
9. You have to return the original OMR Sheet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall. You are however, allowed to carry original question booklet and duplicate copy of OMR Sheet on conclusion of examination.
10. **Use only Blue/Black Ball point pen.**
11. **Use of any calculator or log table etc., is prohibited.**
12. **There are no negative marks for incorrect answers.**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. इस पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए।
2. इस प्रश्न-पत्र में पचास बहुविकल्पीय प्रश्न हैं।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी। पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे, जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
   (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए पुस्तिका पर लगी कागज की सील को फाड़ लें। खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें।
   (ii) **कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं। दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ/प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें। इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे। उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा।**
   (iii) इस जाँच के बाद प्रश्न-पुस्तिका का नंबर OMR पत्रक पर अंकित करें और OMR पत्रक का नंबर इस प्रश्न-पुस्तिका पर अंकित कर दें।
4. प्रत्येक प्रश्न के लिए चार उत्तर विकल्प (1), (2), (3) तथा (4) दिये गये हैं। आपको सही उत्तर के वृत्त को पेन से भरकर काला करना है जैसा कि नीचे दिखाया गया है।
   उदाहरण : ① ② ● ④ जबकि (3) सही उत्तर है।
5. प्रश्नों के उत्तर **केवल प्रश्न पुस्तिका के अन्दर दिये गये OMR पत्रक पर ही** अंकित करने हैं। यदि आप OMR पत्रक पर दिये गये वृत्त के अलावा किसी अन्य स्थान पर उत्तर चिन्हांकित करते हैं, तो उसका मूल्यांकन नहीं होगा।
6. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें।
7. कच्चा काम (Rough Work) इस पुस्तिका के अन्तिम पृष्ठ पर करें।
8. यदि आप OMR पत्रक पर नियत स्थान के अलावा अपना नाम, रोल नम्बर, फोन नम्बर या कोई भी ऐसा चिह्न जिससे आपकी पहचान हो सके, अंकित करते हैं अथवा अभद्र भाषा का प्रयोग करते हैं, या कोई अन्य अनुचित साधन का प्रयोग करते हैं, जैसे कि अंकित किये गये उत्तर को मिटाना या सफेद स्याही से बदलना तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित किये जा सकते हैं।
9. आपको परीक्षा समाप्त होने पर मूल OMR पत्रक निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और परीक्षा समाप्ति के बाद उसे अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें। हालांकि आप परीक्षा समाप्ति पर मूल प्रश्न-पुस्तिका तथा OMR पत्रक की डुप्लीकेट प्रति अपने साथ ले जा सकते हैं।
10. **केवल नीले/काले बाल प्वाईंट पेन का ही इस्तेमाल करें।**
11. **किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है।**
12. **गलत उत्तरों के लिए कोई नकारात्मक अंक नहीं हैं।**

हिन्दी

प्रश्नपत्र – II

निर्देश : इस प्रश्नपत्र में **पचास (50)** बहु-विकल्पीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के **दो (2)** अंक हैं। **सभी** प्रश्न **अनिवार्य** हैं।

1. इनमें से किस बोली का बिहारी हिंदी से सम्बन्ध **नहीं** है?

(1) अवधी (2) मगही

(3) भोजपुरी (4) मैथिली

2. ''हिंदी साहित्य का अतीत'' के लेखक हैं :

(1) विश्वनाथ प्रसाद मिश्र (2) विश्वनाथ त्रिपाठी

(3) श्यामसुन्दर दास (4) गणपतिचन्द्र गुप्त

3. 'दोहा' (दूहा) मूलत: किस भाषा का छंद है?

(1) प्राकृत (2) अपभ्रंश

(3) हिंदी (4) संस्कृत

4. संदेसडउ सवित्थरउ हउँ कहणहँ असमत्थ।

भण पिय इक्कति बलियडइ बेवि समाणा हत्थ।।

उपर्युक्त दोहा किसका है?

(1) नरपति नाल्ह (2) हेमचंद्र

(3) अब्दुर्रहमान (4) शार्ङ्गधर

5. जो नर दुख में दुख नहिं मानै।

सुख सनेह अरु भय नहिं जाके, कंचन माटी जानै।

इन काव्य पंक्तियों के रचनाकार हैं :

(1) सूरदास (2) गुरुनानक

(3) कबीरदास (4) रैदास

6. निम्नलिखित में से कौन 'अष्टछाप' का कवि **नहीं** है?

(1) कुम्भनदास (2) कृष्णदास

(3) छीतस्वामी (4) ध्रुवदास

7. तुम नीके दुहि जानत गैया।

चलिए कुंवर रसिक मनमोहन लागौं तिहारे पैयाँ।

इन काव्य पंक्तियों के रचनाकार हैं :

(1) सूरदास (2) कुम्भनदास

(3) नंददास (4) परमानंददास

8. निम्नलिखित में से कौन 'हनुमच्चरित्र' का रचयिता है?

(1) नाभादास (2) तुलसीदास

(3) अग्रदास (4) रायमल्ल पांडे

9. 'ललित ललाम' किसका ग्रंथ है?

(1) जसवंत सिंह (2) भूषण

(3) पद्माकर (4) मतिराम

10. डेल सो बनाय आय मेलत सभा के बीच

लोगन कबित्त कीबो खेल करि जानो है।

ये काव्य पंक्तियाँ किसकी हैं?

(1) आलम (2) बोधा

(3) ठाकुर (4) द्विजदेव

11. निम्नलिखित में से कौन-सा लेखक भारतेंदु-मण्डल का **नहीं** है?

(1) प्रताप नारायण मिश्र (2) बदरीनारायण चौधरी प्रेमघन

(3) बालकृष्ण भट्ट (4) राजा लक्ष्मण सिंह

12. ‘रसकलस’ किसकी रचना है?

(1) श्रीधर पाठक
(2) अयोध्या सिंह उपाध्याय ‘हरिऔध’
(3) गयाप्रसाद शुक्ल ‘सनेही’
(4) मैथिलीशरण गुप्त

13. निम्नलिखित पंक्तियाँ किस कवि की हैं?

“क्या कहा मैं अपना खंडन करता हूँ?
ठीक है तो, मैं अपना खंडन करता हूँ;
मैं विराट् हूँ – मैं समूहों को समोये हूँ।”

(1) जयशंकर प्रसाद
(2) सुमित्रानंदन पंत
(3) सूर्यकांत त्रिपाठी निराला
(4) रामधारी सिंह दिनकर

14. “आज मैं अकेला हूँ, अकेले रहा नहीं जाता
जीवन मिला है यह, रतन मिला है यह”

उपर्युक्त काव्य-पंक्तियाँ किस कवि की हैं?

(1) त्रिलोचन
(2) केदारनाथ
(3) नागार्जुन
(4) रघुवीर सहाय

15. निम्नलिखित में से किस उपन्यास को स्त्री लेखन का प्रस्थान बिंदु माना जाता है?

(1) मित्रो मरजानी
(2) कठगुलाब
(3) आवाँ
(4) चाक

16. निम्नलिखित में से दो समानान्तर कथा-प्रसंगों पर चलने वाला शंकरशेष का नाटक है :

(1) कोमल गांधार
(2) पोस्टर
(3) एक और द्रोणाचार्य
(4) अरे मायावी सरोवर

17. ''कविता करना अनन्त पुण्य का फल है। इस दुराशा और अनन्त उत्कण्ठा से कवि जीवन व्यतीत करने की इच्छा हुई।'' यह संवाद-पंक्ति जयशंकर प्रसाद के किस नाटक की है?

(1) चन्द्रगुप्त (2) ध्रुवस्वामिनी

(3) स्कन्दगुप्त (4) राज्यश्री

18. 'ठेस' कहानी के लेखक हैं :

(1) अज्ञेय (2) फणीश्वरनाथ रेणु

(3) अमरकांत (4) मोहन राकेश

19. निम्नलिखित में से महावीर प्रसाद द्विवेदी का कथन कौन-सा है?

(1) भाषा संसार का नादमय चित्र है, ध्वनिमय स्वरूप है।

(2) मनुष्यों की मुक्ति की तरह कविता की भी मुक्ति होती है।

(3) कवित्व को आत्मा की अनुभूति कहते हैं।

(4) अर्थ सौरस्य ही कविता का प्राण है।

20. निम्नलिखित में से कौन-सी कृति आई.ए. रिचर्ड्स की **नहीं** है?

(1) प्रिंसिपल्स ऑफ लिटरेरी क्रिटिसिज्म (2) द फिलॉसफी ऑफ रेटरिक

(3) कल्चर एण्ड अनार्की (4) इंटरप्रेटेशन इन टीचिंग

21. रचनाकाल की दृष्टि से निम्नलिखित कृतियों का सही अनुक्रम है :

(1) दोहाकोष, श्रावकाचार, संदेशरासक, कीर्तिलता

(2) दोहाकोष, संदेशरासक, श्रावकाचार, कीर्तिलता

(3) संदेशरासक, दोहाकोष, कीर्तिलता, श्रावकाचार

(4) दोहाकोष, श्रावकाचार, कीर्तिलता, संदेशरासक

22. रचनाकाल के अनुसार निम्नलिखित कवियों का सही अनुक्रम है :

(1) कुतबन, उसमान, नूर मुहम्मद, कासिमशाह

(2) कुतबन, कासिमशाह, नूर मुहम्मद, उसमान

(3) कुतबन, उसमान, कासिमशाह, नूर मुहम्मद

(4) उसमान, कुतबन, कासिमशाह, नूर मुहम्मद

23. रचनाकाल के अनुसार निम्नलिखित काव्यकृतियों का सही क्रम है :

(1) ललित ललाम, भावविलास, शृंगार निर्णय, जगद् विनोद

(2) ललित ललाम, शृंगार निर्णय, भावविलास, जगद् विनोद

(3) ललित ललाम, जगद् विनोद, शृंगार निर्णय, भावविलास

(4) भावविलास, ललित ललाम, शृंगार निर्णय, जगद् विनोद

24. जन्मकाल के अनुसार निम्नलिखित कथाकारों का सही अनुक्रम है :

(1) जैनेंद्र, भगवतीचरण वर्मा, अमृतलाल नागर, हजारीप्रसाद द्विवेदी

(2) अमृतलाल नागर, हजारीप्रसाद द्विवेदी, भगवतीचरण वर्मा, जैनेंद्र

(3) हजारीप्रसाद द्विवेदी, जैनेंद्र, भगवतीचरण वर्मा, अमृतलाल नागर

(4) भगवतीचरण वर्मा, जैनेंद्र, हजारीप्रसाद द्विवेदी, अमृतलाल नागर

25. प्रकाशन वर्ष के अनुसार निम्नलिखित कहानियों का सही अनुक्रम है :

(1) इंदुमती, मक्रील, उसने कहा था, कफन

(2) इंदुमती, उसने कहा था, मक्रील, कफन

(3) इंदुमती, उसने कहा था, कफन, मक्रील

(4) इंदुमती, कफन, उसने कहा था, मक्रील

26. प्रकाशन वर्ष के अनुसार निम्नलिखित पत्रिकाओं का सही अनुक्रम है :

(1) नया ज्ञानोदय, सारिका, आजकल, समकालीन भारतीय साहित्य

(2) सारिका, आजकल, समकालीन भारतीय साहित्य, नया ज्ञानोदय

(3) समकालीन भारतीय साहित्य, सारिका, आजकल, नया ज्ञानोदय

(4) आजकल, सारिका, समकालीन भारतीय साहित्य, नया ज्ञानोदय

27. प्रकाशन काल के आधार पर भीष्म साहनी के नाटकों का सही अनुक्रम है :

(1) हानूश, माधवी, मुआवजे, आलमगीर

(2) माधवी, आलमगीर, हानूश, मुआवजे

(3) हानूश, मुआवजे, आलमगीर, माधवी

(4) मुआवजे, हानूश, माधवी, आलमगीर

28. प्रकाशन काल की दृष्टि से महिला नाटककारों के नाटकों का सही अनुक्रम है :

(1) बिना दिवारों का घर, जो राम रचि राखा, ठहरा हुआ पानी, नेपथ्यराग

(2) बिना दिवारों का घर, ठहरा हुआ पानी, जो राम रचि राखा, नेपथ्यराग

(3) ठहरा हुआ पानी, बिना दिवारों का घर, नेपथ्यराग, जो राम रचि राखा

(4) जो राम रचि राखा, नेपथ्यराग, बिना दिवारों का घर, ठहरा हुआ पानी

29. प्रकाशन-वर्ष के आधार पर निम्नलिखित रचनाओं का सही अनुक्रम है :

(1) सम्पत्तिशास्त्र, साहित्यालोचन, संस्कृति के चार अध्याय, मध्यकालीन बोध का स्वरूप

(2) साहित्यालोचन, सम्पत्तिशास्त्र, संस्कृति के चार अध्याय, मध्यकालीन बोध का स्वरूप

(3) संस्कृति के चार अध्याय, सम्पत्तिशास्त्र, मध्यकालीन बोध का स्वरूप, साहित्यालोचन

(4) सम्पत्तिशास्त्र, मध्यकालीन बोध का स्वरूप, साहित्यालोचन, संस्कृति के चार अध्याय

30. रचनाकाल के आधार पर निम्नलिखित ग्रन्थों का सही अनुक्रम है :

(1) ध्वन्यालोक, काव्यमीमांसा, काव्यादर्श, साहित्य दर्पण

(2) काव्यादर्श, ध्वन्यालोक, काव्यमीमांसा, साहित्य दर्पण

(3) काव्यादर्श, काव्यमीमांसा, ध्वन्यालोक, साहित्य दर्पण

(4) ध्वन्यालोक, काव्यादर्श, साहित्य दर्पण, काव्यमीमांसा

31. निम्नलिखित रचनाओं को उनके रचनाकारों के साथ सुमेलित कीजिए :

सूची-I		**सूची-II**	
(a)	हिंदी साहित्य की भूमिका	(i)	परशुराम चतुर्वेदी
(b)	हिंदी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास	(ii)	हजारीप्रसाद द्विवेदी
(c)	उत्तरी भारत की संत परंपरा	(iii)	बच्चन सिंह
(d)	हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास	(iv)	रामकुमार वर्मा
		(v)	लक्ष्मी सागर वार्ष्णेय

कोड :

	(a)	**(b)**	**(c)**	**(d)**
(1)	(i)	(ii)	(iv)	(v)
(2)	(ii)	(iv)	(i)	(iii)
(3)	(iii)	(v)	(ii)	(iv)
(4)	(v)	(i)	(iii)	(ii)

32. निम्नलिखित संप्रदायों को उनके प्रवर्तकों के साथ सुमेलित कीजिए :

सूची-I		**सूची-II**	
(a)	श्री संप्रदाय	(i)	रामानुजाचार्य
(b)	रुद्र संप्रदाय	(ii)	मध्वाचार्य
(c)	सनकादि संप्रदाय	(iii)	विष्णु स्वामी
(d)	राधा वल्लभी संप्रदाय	(iv)	निम्बार्काचार्य
		(v)	श्री हितजी

कोड :

	(a)	**(b)**	**(c)**	**(d)**
(1)	(ii)	(iv)	(i)	(iii)
(2)	(i)	(iii)	(iv)	(v)
(3)	(iii)	(iv)	(i)	(ii)
(4)	(iv)	(i)	(ii)	(iii)

33. निम्नलिखित रचनाकारों को उनकी रचनाओं के साथ सुमेलित कीजिए :

	सूची-I		**सूची-II**
(a)	चिंतामणि	(i)	अंगदर्पण
(b)	मतिराम	(ii)	शिवा बावनी
(c)	भूषण	(iii)	रस रहस्य
(d)	रसलीन	(iv)	रस राज
		(v)	काव्य प्रकाश

कोड :

	(a)	**(b)**	**(c)**	**(d)**
(1)	(ii)	(iii)	(v)	(i)
(2)	(iii)	(ii)	(i)	(iv)
(3)	(iv)	(v)	(iii)	(ii)
(4)	(v)	(iv)	(ii)	(i)

34. निम्नलिखित रचनाओं को उनके रचनाकारों के साथ सुमेलित कीजिए :

	सूची-I		**सूची-II**
(a)	कुमारपाल प्रतिबोध	(i)	हेमचंद्र
(b)	प्रबंध चिंतामणि	(ii)	जैनाचार्य मेरुतुंग
(c)	कुमारपाल चरित	(iii)	सोमप्रभ सूरि
(d)	हम्मीर रासो	(iv)	जगनिक
		(v)	शार्ङ्गधर

कोड :

	(a)	**(b)**	**(c)**	**(d)**
(1)	(iii)	(ii)	(i)	(v)
(2)	(ii)	(iii)	(iv)	(i)
(3)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(4)	(iv)	(i)	(ii)	(v)

35. निम्नलिखित संपादकों को उनकी पत्रिकाओं के साथ सुमेलित कीजिए :

सूची-I		**सूची-II**	
(a)	भारतेन्दु हरिश्चन्द्र	(i)	सरस्वती
(b)	प्रेमचन्द	(ii)	संगम
(c)	महावीर प्रसाद द्विवेदी	(iii)	प्रतीक
(d)	अज्ञेय	(iv)	कविवचन सुधा
		(v)	हंस

कोड :

	(a)	**(b)**	**(c)**	**(d)**
(1)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(2)	(ii)	(iv)	(v)	(i)
(3)	(iii)	(i)	(ii)	(v)
(4)	(iv)	(v)	(i)	(iii)

36. निम्नलिखित ग्रंथों को उनके रचनाकारों के साथ सुमेलित कीजिए :

सूची-I		**सूची-II**	
(a)	काव्य और कला तथा अन्य निबन्ध	(i)	रघुवीर सिंह
(b)	शेष स्मृतियाँ	(ii)	धीरेन्द्र वर्मा
(c)	मेरी जीवनयात्रा	(iii)	जयशंकर प्रसाद
(d)	शृंखला की कड़ियाँ	(iv)	राहुल सांकृत्यायन
		(v)	महादेवी वर्मा

कोड :

	(a)	**(b)**	**(c)**	**(d)**
(1)	(v)	(ii)	(iii)	(i)
(2)	(ii)	(iii)	(iv)	(i)
(3)	(iii)	(i)	(iv)	(v)
(4)	(iv)	(v)	(i)	(ii)

37. निम्नलिखित पंक्तियों को उनके कवियों के साथ सुमेलित कीजिए :

	सूची-I		**सूची-II**
(a)	कर्म का भोग भोग का कर्म यही जड़ का चेतन आनन्द	(i)	निराला
(b)	होगी जय, होगी जय, हे पुरुषोत्तम नवीन! कह महाशक्ति राम के वदन में हुई लीन।	(ii)	मुक्तिबोध
(c)	मौन भी अभिव्यंजना है : जितना तुम्हारा सच है उतना ही कहो।	(iii)	जयशंकर प्रसाद
(d)	परम अभिव्यक्ति लगातार घूमती है जग में पता नहीं जाने कहाँ, जाने कहाँ वह है।	(iv)	अज्ञेय
		(v)	धूमिल

कोड :

	(a)	**(b)**	**(c)**	**(d)**
(1)	(ii)	(iii)	(iv)	(v)
(2)	(iii)	(i)	(iv)	(ii)
(3)	(i)	(iv)	(v)	(iii)
(4)	(v)	(iii)	(ii)	(i)

38. निम्नलिखित पात्रों को उनके नाटकों के साथ सुमेलित कीजिए :

	सूची-I		**सूची-II**
(a)	पर्णदत्त	(i)	सूर्य की अन्तिम किरण से सूर्य की पहली किरण तक
(b)	हेरूप	(ii)	स्कन्दगुप्त
(c)	ओक्काक	(iii)	माधवी
(d)	गालव	(iv)	कलंकी
		(v)	नरसिंह कथा

कोड :

	(a)	**(b)**	**(c)**	**(d)**
(1)	(i)	(ii)	(iii)	(v)
(2)	(ii)	(i)	(iii)	(iv)
(3)	(iv)	(iii)	(v)	(i)
(4)	(ii)	(iv)	(i)	(iii)

39. निम्नलिखित एकांकियों को उनके एकांकीकारों के साथ सुमेलित कीजिए :

	सूची-I		**सूची-II**
(a)	जोंक	(i)	भुवनेश्वर प्रसाद
(b)	शिवाजी का सच्चा स्वरूप	(ii)	रामकुमार वर्मा
(c)	प्रतिभा का विवाह	(iii)	उपेन्द्रनाथ अश्क
(d)	पृथ्वीराज की आँखें	(iv)	हरिकृष्ण प्रेमी
		(v)	सेठ गोविन्ददास

कोड :

	(a)	**(b)**	**(c)**	**(d)**
(1)	(iii)	(v)	(i)	(ii)
(2)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(3)	(v)	(iii)	(i)	(iv)
(4)	(iii)	(i)	(ii)	(v)

40. निम्नलिखित रचनाओं को उनके रचनाकारों के साथ सुमेलित कीजिए :

	सूची-I		**सूची-II**
(a)	काव्य में अभिव्यंजनावाद	(i)	मिश्रबन्धु
(b)	रसपीयूषनिधि	(ii)	अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध'
(c)	रसकलस	(iii)	सोमनाथ
(d)	हिन्दी नवरत्न	(iv)	लक्ष्मीनारायण 'सुधांशु'
		(v)	देव

कोड :

	(a)	**(b)**	**(c)**	**(d)**
(1)	(i)	(iii)	(v)	(ii)
(2)	(iii)	(i)	(iv)	(v)
(3)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)
(4)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)

निर्देश : प्रश्न संख्या **41** से **45** तक के प्रश्नों के दो कथन दिए गए हैं। इनमें से एक **स्थापना** (A) और दूसरा **तर्क** (R) है। कोड में दिए गए विकल्पों में से सही विकल्प का चयन कीजिए।

41. **स्थापना (Assertion) (A) :** दो विरोधी मूल्यों के बीच भटकना और उससे उत्पन्न तनाव को झेलना ही आधुनिकता की एकमात्र पहचान है।

तर्क (Reason) (R) : इसीलिए आधुनिक नाटककार मोहन राकेश के नाटकों में व्यक्ति-स्वातन्त्र्य और चयन की आजादी को महत्व मिला।

कोड :

(1) **(A)** सही और **(R)** सही (2) **(A)** ग़लत और **(R)** ग़लत

(3) **(A)** ग़लत और **(R)** सही (4) **(A)** सही और **(R)** ग़लत

42. **स्थापना (Assertion) (A) :** विभावादि के परिवर्तित स्वरूप के अनुसार रस के आस्वादन में विचित्रता नहीं आती।

तर्क (Reason) (R) : क्योंकि रस स्वयं में विभाव-निरपेक्ष होता है।

कोड :

(1) **(A)** ग़लत और **(R)** ग़लत (2) **(A)** सही और **(R)** सही

(3) **(A)** सही और **(R)** ग़लत (4) **(A)** ग़लत और **(R)** सही

43. **स्थापना (Assertion) (A) :** प्रतिभा के विस्फोट के लिए रसावेश की आवश्यकता है किन्तु सारे रसिक कवि नहीं बनते।

तर्क (Reason) (R) : राजशेखर ने रचनात्मक प्रतिभा को कारयित्री प्रतिभा कहा है जो कुछ ही लोगों में होती है।

कोड :

(1) **(A)** सही और **(R)** सही (2) **(A)** सही और **(R)** ग़लत

(3) **(A)** ग़लत और **(R)** ग़लत (4) **(A)** ग़लत और **(R)** सही

44. **स्थापना (Assertion) (A) :** गुण मुख्य रूप से रस के धर्म हैं पर इन्हें गौण रूप में शब्दार्थ के धर्म भी माना जाता है।

तर्क (Reason) (R) : क्योंकि गुण का निर्धारण शब्दार्थ से ही होता है।

कोड :

(1) **(A)** सही और **(R)** सही (2) **(A)** ग़लत और **(R)** ग़लत

(3) **(A)** सही और **(R)** ग़लत (4) **(A)** ग़लत और **(R)** सही

45. **स्थापना (Assertion) (A) :** कामायनी को रूपक काव्य भी कहा जाता है।

तर्क (Reason) (R) : क्योंकि इसमें रूपक अलंकार की बहुलता है।

कोड :

(1) **(A)** सही और **(R)** सही (2) **(A)** सही और **(R)** ग़लत

(3) **(A)** ग़लत और **(R)** सही (4) **(A)** ग़लत और **(R)** ग़लत

निर्देश : निम्नलिखित अवतरण को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उससे संबंधित प्रश्नों (प्रश्न संख्या **46-50**) के दिए गए विकल्पों में से सही विकल्प का चयन कीजिए।

अतीत की स्मृति में मनुष्य के लिए स्वाभाविक आकर्षण है। अर्थपरायण लाख कहा करें कि 'गड़े मुर्दे उखाड़ने से क्या फायदा' पर हृदय नहीं मानता; बार-बार अतीत की ओर जाता है; अपनी यह बुरी आदत नहीं छोड़ता। इसमें कुछ रहस्य अवश्य है। हृदय के लिए अतीत एक मुक्ति लोक है जहाँ वह अनेक प्रकार के बंधनों से छूटा रहता है और अपने शुद्ध रूप में विचरता है। वर्तमान हमें अंधा बनाए रहता है; अतीत बीच-बीच में हमारी आँखें खोलता रहता है। मैं तो समझता हूँ कि जीवन का नित्य स्वरूप दिखाने वाला दर्पण मनुष्य के पीछे रहता है; आगे तो बराबर खिसकता हुआ दुर्भेद्य परदा रहता है। बीती बिसारने वाले 'आगे की सुध रखने का दावा' किया करें, परिणाम अशांति के अतिरिक्त और कुछ नहीं। वर्तमान को संभालने और आगे की सुध रखने का डंका पीटने वाले संसार में जितने ही अधिक होते जाते हैं, संघ-शक्ति के प्रभाव से जीवन की उलझनें उतनी ही बढ़ती जाती हैं। बीता बिसारने का अभिप्राय है जीवन की अखंडता और ???

46. अतीत की स्मृति में मनुष्य के लिए स्वाभाविक आकर्षण है, क्योंकि :

(1) मनुष्य अतीत जीवी होता है।

(2) मनुष्य वर्तमान से भागना चाहता है।

(3) वहाँ मनुष्य अनेक प्रकार के बंधनों से मुक्त रहता है।

(4) मनुष्य अर्थपरायण नहीं होता है।

47. 'वर्तमान हमें अंधा बनाए रहता है' - इसका भाव है :

(1) वर्तमान में बहुत-सी समस्याएँ रहती हैं।

(2) हम वर्तमान की समस्याओं में ही उलझे रहते हैं।

(3) हमारी सारी समस्याएँ वर्तमान से संबद्ध रहती हैं।

(4) हमें वर्तमान से प्रेम होता है।

48. अशांति किसका परिणाम है?

(1) वर्तमान से लगाव का।
(2) वर्तमान की उपेक्षा का।
(3) भविष्य की चिंता का।
(4) अतीत की विस्मृति का।

49. केवल अर्थ की क्रीड़ा निष्ठुर है, क्योंकि :

(1) वह उलझनों को बढ़ाती है।
(2) वह अतीत की उपेक्षा करती है।
(3) वह वर्तमान की अधिक चिंता करती है।
(4) वह मनुष्य को सहृदय नहीं रहने देती है।

50. जीवन का नित्य स्वरूप दिखाने वाला दर्पण क्या है?

(1) अतीत की स्मृति।
(2) अतीत का सुख।
(3) अतीत का दुख।
(4) अतीत का मोह।

- o 0 o -

Space For Rough Work